**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्नठ संख्यात 3197**

**16 मार्च, 2015 को उत्तदर के लिए**

**इस्पात क्षेत्र का कार्यनिष्पादन**

3197. श्री भोला सिंह:
श्री अनिल शिरोले:
श्री आर. गोपालकृष्णन:
श्री विजय कुमार हांसदाक:
श्रीमती पूनम महाजन:
श्री प्रताप सिम्हा:
क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में परिचालन कर रहे सरकारी और निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की संख्या कितनी है और इनकी वित्तीय स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार से निरंतर सहायता के बावजूद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया सहित सरकारी क्षेत्र के कतिपय इस्पात संयंत्र गत तीन वर्ष के दौरान घाटे में चल रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए नई राष्ट्रीय इस्पात नीति में कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश में इस्पात क्षेत्र के कार्यनिष्पादन में सुधार लाने और इसके विकास के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्त र**

**इस्पा त और खान राज्य मंत्री** **श्री विष्णु देव साय**

(क): सार्वजनिक क्षेत्र में 9 इस्पा त संयंत्र और निजी क्षेत्र में 1321 इस्पासत संयंत्र मौजूद है । संयुक्तत संयंत्र समिति (जेपीसी) के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर देश में प्रमुख इस्पाेत संयंत्रों की शुद्ध लाभ/हानि नीचे दी गई है :-

| **कंपनी** | शुद्ध लाभ/हानि (रूपये करोड़ में) | | |
|---|---|---|---|
| | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 |
| सेल | 3542.72 | 2170.35 | 2616.48 |
| आरआईएनएल | 751.00 | 353.00 | 366.00 |
| टाटा स्टील (स्टैंडएलोन) | 6696.40 | 5062.97 | 6,412.19 |
| जेएसडब्ल्यू स्टील | 1625.86 | 1801.22 | 1334.51 |
| जेएसडब्ल्यू इस्पात स्टील | (316.92) | 85.81 | - |
| जेएसपीएल (स्टैंडएलोन) | 2110.65 | 1,592.55 | 1291.95 |
| एस्सार स्टील | (1,251) | (2785) | N.A. |
| स्रोत: कंपनी का तुलनपत्र ; ^ वर्ष 2012-13 से जेएसडब्ल्यू स्टील का भाग; () कोष्ठक के अंतर्गत आंकड़े शुद्ध हानि दर्शाते है। | | | |

(ख) और (ग) : गत तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के दो इस्पात संयंत्रों अर्थात् सेल और आरआईएनएल/वीएसपी का वित्तीय निष्पादन जैसे कि उपर दर्शाया गया है , यह दर्शाता है कि दोनों संयंत्रों ने इस अवधि के दौरान शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

(घ): राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 के अनुसार वर्ष 2019-20 तक इस्पात का उत्पादन 110 एमटी प्रक्षेपित किया गया है।

(ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त उद्योग होने के नाते सरकार की भूमिका एक सुविधादाता मात्र के रूप में सीमित है।

***